स्वाः

लिका॥ १८५॥ की लपुच्छ स्तु कङ्ग स्या द्र गी टीयागना विकः। ग्रा म्यमद्गिरमाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रकाष्ट्रका श्पारः म्वेनका लकः। चिङ्ग टस्तु महाश्ल्कः पानाधान ज्ञला गड कम् ॥ १५७॥ फलकीन्चिमल्यग्जस्यग्रिह्तः। काकाचिकस्य काकाचीवकाचिवित्रवा॥१८५॥ कवयीक्रकचपृष्ठीखलेश् स्तुखलेश्यः। इहिनशोगजश्फरइञ्जुकाजलवृस्थिकः॥१८७॥ द्गडपालाऽद्धिण परः नङ्ग नाटा ज लव्यथः। ल घुगग्री खिनं टस्या त्सिताङ्कीवासुकागडः॥ १०० ॥ कनकपसःकुरु विस्तःकरिकवसीविधा नंस्यात्। बाह्मीनुपंकगडकः शक्ताद गडपालकः॥ १७१॥ निचाल वंनिवस्तंमचामणिरिलञ्जरः। वेदिःस्यणिडसिनवंपन्याटानिष्क रःसृतः॥ १७२॥ लापासिका खिङ्गिरीस्यात्पात्या टानिष्करःसृतः। अङ्गेष्वेवाङ्क मङ्गानिसृतमुत्तानमुन्क रम्॥ १०३॥ स्थान्यान्जितार साला चनुक्तारः सिंह्नाद कः। कर्णागृथ क्र्याम लंसिंह्णांना सिकाम लम् ॥ १ए४॥ द ना म लंपु व्यास्थानु लंगर सना म लग्। कारन्धमी धानु बादीद रिद्रोदु विधःसमृतः॥ १०५॥ स्था नमन्त्रगगडको विद्या पक्षदा रं ख उक्तिगा। आर्वस्व ज्ञलार्दः स्या है। ष स्वादी नवाम तः॥ १०६॥ या जनंमार्गधेनुःस्यान्त्वः विष्कुचनुष्श्तम्। चालवे।वाग्याग्या सस्बद्धे बा लकः॥ १०० ॥ नागाद्रमुरखाणञ्जद्वा वाणनुमंश्राणम्।